भागीरथी बाल शिक्षा सदन सै० स्कूल

ग्रीष्मकालीन गृह - कार्य

कक्षा - IX (हिन्दी)

क्षितिज

काव्य खंड :- निम्नलिखित दोहे को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

पखापखी के कारनै, सब जग रहा भुलान।
निरपख होइ के हरि भजै, सोई संत सुजान॥

प्रश्न :-

1) निरपेक्ष होने से कवि का क्या आशय है ?
2) किस व्यक्ति को ज्ञानी कहा जा सकता है ?
3) अंधविश्वास और अंधश्रद्धा व्यक्ति को किस हद तक हानि पहुँचाते हैं ?

गद्य खंड :- निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए

रात को जब बालिका रोटियाँ खिलाकर चली गई, दोनों रस्सियाँ चबाने लगे, पर मोटी रस्सी मुँह में न आती थी। बेचारे बार-बार जोर लगाकर रह जाते थे। सहसा घर का दरवाजा खुला और वही लड़की निकली। दोनों सिर झुकाकर उसका हाथ चाटने लगे। दोनों की पूँछे खड़ी हो गई। उसने उनके माथे सहलाए और बोली - खोने देती हूँ। चुपके से भाग जाओ, नहीं तो यहाँ मार डालेंगे। आज घर में सलाह हो रही है कि इनकी नाकों में नाथ डाल दी जाए।

प्रश्न :-

1) दोनों बैल रस्सियाँ क्यों चबाने लगे ?
2) लड़की ने बैलों को भगाने के लिए क्यों कहा ?
3) घर में बैलों की नाक में नाथ डालने की सलाह क्यों हो रही थी ?

Scanned with CamScanner

व्याकरण

1) 'समय का महत्व' विषय पर निबन्ध लिखिए।

2) अपने क्षेत्र में बिजली-आपूर्ति की समस्या के संदर्भ में संबंधित अधिकारी को शिकायती पत्र लिखिए।

क्रियाकलाप

1) कबीरदास जी के दोहों का सचित्र एक-चार्ट तैयार कीजिए।

2) हिन्दी के उपसर्गों की तालिका बनाकर चार्ट पेपर पर दर्शाइए।

Scanned with CamScanner